Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding Agnipath Scheme- laid

श्री हनुमान बेनीवाल (नागौर): सेना में अग्निपथ योजना के माध्यम से संविदा भर्ती के निर्णय को वापिस लेने के संबंध में प्रधानमंत्री जी और रक्षा मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करते हुए यह बताना चाहता हूं कि सेना जैसे संस्थान में संविदा भर्ती का निर्णय किसी भी दृष्टि से सही नहीं है और यह निर्णय न तो सेना में जाने के इच्छुक युवाओं के हित में है और न ही सेना के लिए सही है। केन्द्र सरकार के इस फैसले के विरूद्ध में राजस्थान सहित देश भर के युवा आंदोलित हैं। ऐसे में सरकार को युवा वर्ग की भावना को ध्यान में रखने की भी जरूरत है। अग्निपथ के माध्यम से ली जाने वाली भर्ती में सेवा के चार वर्षों के बाद युवाओं के भविष्य पर भी सवालिया निशान है क्योंकि इस योजना के तहत भर्ती होने वालों को न तो कोई रैंक मिलेगी, न ही कोई प्रमोशन मिलेगा और न ही कोई पेंशन मिलेगी और चार वर्षों के बाद किसी को रिटायर करके सरकार भेजेगी तो उसका आगे का भविष्य कैसे सुनिश्चित होगा यह चिंता का विषय है। आज सरकार अग्निवीरो को रिटायरमेंट के बाद सार्वजनिक उपक्रमों में नौकरी देने की बात करती है लेकिन मैं यह बताना चाहता हूं कि पूर्व सैनिकों के लिए ग्रुप सी और ग्रुप डी में क्रमशः 10 और 20 प्रतिशत पद आरक्षित होने के बावजूद हकीकत में 1.29 प्रतिशत और 1.66 प्रतिशत नौकरी ही दी जा सकी वहीं केन्द्रीय सुरक्षा बलों में भी पूर्व सैनिकों को 10 प्रतिशत नौकरी देने की बात कही गई लेकिन हकीकत यह है कि 1 प्रतिशत से भी कम पूर्व सैनिकों को नौकरी मिल पाई है, इसलिए मेरी सरकार से मांग है कि पुराने तर्ज पर सेना भर्ती रैलियों का आयोजन दो वर्ष की छूट आयु में देते हुए प्रारंभ किया जाए और भारतीय सेना के साथ नेवी और वायु सेना की सभी लंबित भर्तियों को पूरा किया जाए और इस टीओडी/अग्निपथ योजना के फैसले को वापिस लिया जाए।